ईको पार्क से मिलेगी डांडाचली को नई पहचान

चर्चा में क्यों?

10 नवंबर, 2022 को उत्तराखंड के नई टिहरी ज़िला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि नई टिहरी से मात्र 15 किमी. की दूरी पर स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल डांडाचली को पर्यटन विभाग द्वारा ईको पार्क के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा गया है। मंज़ूरी मिलने के बाद डांडाचली देश-विदेश के पर्यटकों को एक विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल की अनुभूति कराएगा।

प्रमुख बिंदु

- अतुल भंडारी ने बताया कि डांडाचली क्षेत्र पाँच वर्ग किमी. में देवदार व बांज के घने जंगलों से घिरा हुआ है। वाइल्ड लाइफ से भरपूर इस क्षेत्र में गुलदार, भालू, सेही, घुरल जैसे वन्यजीव बहुतायत में हैं। इसके जंगल में विभिन्न प्रजाति के पक्षियों की भी भरमार है। डांडाचली का मौसम जून की गर्मी में भी ठंडक का एहसास कराता है, जबकि दिसंबर व जनवरी में यहाँ चार से पाँच फीट तक बर्फ जम जाती है।
- उन्होंने बताया कि यहाँ देवदार के जंगल में नेचर ट्रैक बनाए जाएंगे। मचान, व्यू पॉइंट और साहसिक खेलों की सुविधा भी पर्यटकों को मिलेगी। इसके अलावा बर्मा ब्रिज, वुडन व ग्लास हाउस रेस्तरां और माउंटेन बाइक ट्रैक भी यहाँ पर बनाए जाएंगे।
- हालाँकि, डांडाचली में ठहरने के लिये होटल आदि की व्यवस्था न होने के कारण पर्यटकों को शाम ढलने से पूर्व ही चंबा या नई टिहरी वापस लौटना पड़ता है। इसके बावजूद पर्यटकों की आवाजाही निरंतर बनी रहती है। नए साल का जश्न मनाने के लिये हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक डांडाचली पहुँचते हैं, लेकिन डांडाचली के पर्यटन मानचित्र पर न होने के कारण यहाँ आने वाले पर्यटकों का कोई लेखा-जोखा नहीं रखा जाता।
- डांडाचली में ईको पार्क बनने पर स्थानीय युवाओं को भी रोज़गार मिलेगा तथा पर्यटकों की आमद बढ़ने से यहाँ दुकान व होम स्टे तो खुलेंगे ही, रोज़गार के अन्य साधन भी विकसित होंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dandachali-will-get-a-new-identity-from-eco-park